विश्व धरोहर दिवस 2025

स्रोत: पी.आई.बी.

चर्चा में क्यों?

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) ने 18 अप्रैल 2025 को अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल दिवस (विश्व धरोहर दिवस) पर अपने संरक्षित स्मारकों में निःशुल्क प्रवेश की घोषणा की है।

विश्व धरोहर दिवस क्या है?

- यह दिन सांस्कृतिक विरासत के महत्त्व और इसे **संरक्षित करने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने** के लिये विश्व स्तर पर मनाया जाता है। इसकी घोषणा **वर्ष 1982 में** अंतर्राष्ट्रीय स्मारक और स्थल परिषद (ICOMOS) द्वारा की गई थी और वर्ष 1983 में UNESCO द्वारा इसका अनुमोदन किया गया।
- वर्ष 2025 का विषय है **"आपदा एवं संघर्ष से खतरे में धरोहर: ICOMOS की 60 वर्षीय कार्रवाइयों सीख और तत्परता"**।

विश्व धरोहर स्थल क्या हैं?

- **परिचय: विश्व धरोहर स्थल** (WHS) वे स्थान हैं जिन्हें **मानवता के लिये उनके उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य** के लिये मान्यता प्राप्त है और उन्हें भावी पीढ़ियों के लिये सुरक्षा और संरक्षण हेतु **विश्व धरोहर सूची** में अंकित किया गया है।
  - इन स्थलों की प्रकृति **सांस्कृतिक, प्राकृतिक अथवा मिश्रित** हो सकती है। **WHS को विश्व धरोहर सम्मेलन, 1972** के तहत संरक्षित किया जाता है, जो **UNESCO के सदस्य देशों** द्वारा अपनाया गया एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।
  - यह अभिसमय ऐसे स्थलों की पहचान, सुरक्षा और परिरक्षण में **राष्ट्र पक्षकारों** की ज़िम्मेदारियों को रेखांकित करता है।
  - विश्व धरोहर स्थलों की सूची का अनुरक्षण अंतर्राष्ट्रीय **'विश्व धरोहर कार्यक्रम'** द्वारा किया जाता है, जिसका विनियमन **UNESCO विश्व धरोहर समिति** द्वारा किया जाता है।
  - **भारत ने वर्ष 1977 में इस अभिसमय का अनुसमर्थन किया**।
- **विश्व भर में WHS: अक्तूबर 2024** तक, **196 देशों में लगभग 1,223 स्थल** हैं जिनमें **952 सांस्कृतिक**, **231 प्राकृतिक** और **40 मिश्रित स्थल** शामिल हैं।

विश्व धरोहर स्थल

कुल विश्व धरोहर स्थल
1,073

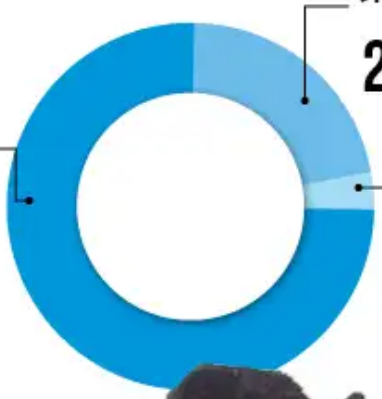

प्राकृतिक धरोहर स्थल
241

सांस्कृतिक स्थल
832

प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थल
35

संकटजनित स्थल–**55**

सर्वाधिक धरोहर स्थल वाले देश

इटली	चीन	स्पेन	फ्रांस	जर्मनी	भारत
53	**52**	**46**	**43**	**42**	**36**

- **भारत में वशि्व धरोहर स्थल: अप्रैल 2025 तक, भारत में 43 वशि्व धरोहर स्थल (34 सांस्कृतकि, 7 प्राकृतकि और 2 मशि्रति) और 62 स्थल संभावति सूची में हैं।**

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल

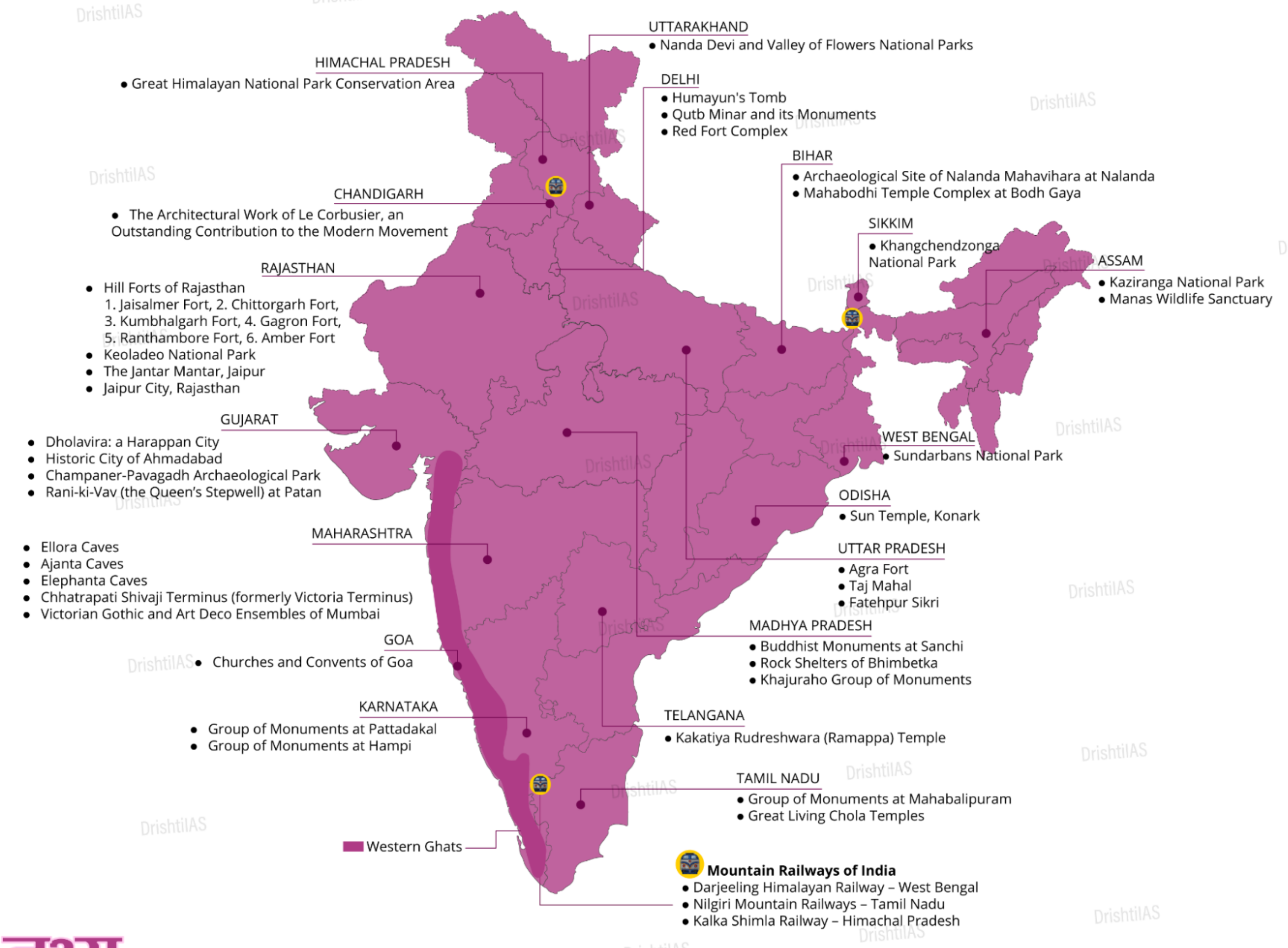

तथ्य

- **भारत में विश्व धरोहर/विरासत स्थलों की कुल संख्या** – 40
- **कुल सांस्कृतिक धरोहर स्थल** – 32
- **कुल प्राकृतिक स्थल** – 7 (काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, मानस वन्यजीव अभयारण्य, पश्चिमी घाट, सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, नंदा देवी तथा फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान, ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क संरक्षण क्षेत्र, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान)
- **मिश्रित स्थल** – 1 (कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान)
- **सूची में सबसे पहले शामिल किये गए धरोहर स्थल** – ताजमहल, आगरा का किला, अजंता गुफाएँ तथा ऐलोरा गुफाएँ (सभी वर्ष 1983 में)
- **सूची में हाल ही शामिल किये गए स्थल (2021)** – हड़प्पाकालीन स्थल धौलावीरा (40वाँ स्थल), काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर (39वाँ स्थल)
- **सर्वाधिक विश्व धरोहरों वाले देश** – इटली (58), चीन (56), जर्मनी (51), फ्राँस (49), स्पेन (49)
- **विश्व धरोहर स्थलों की संख्या के मामले में भारत छठे स्थान पर है।**

Drishti IAS

भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिये सरकार की प्रमुख पहल क्या हैं?

- **पुरावशेषों का पुनरुद्धार:** भारत ने विदेशों से सांस्कृतिक कलाकृतियों को वापस लाने के प्रयासों को तेज़ कर दिया है, तथा वर्ष 1976 से अब तक **655 पुरावशेषों** को वापस प्राप्त किया हैं।
  - वर्ष 2024 में, **रामचरितमानस, पंचतंत्र** और **सहृदयलोक-लोकन** जैसी साहित्यिक कृतियों को **यूनेस्को की 2024 विश्व स्मृति समिति के एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय रजिस्टर** में शामिल किया गया।
- **विरासत योजना और गलियारा परियोजनाएँ:** वर्ष 2017 में शुरू किये गए हेरिटेज एडॉप्ट कार्यक्रम के माध्यम से, सार्वजनिक और निजी निकाय **CSR फंडिंग** के माध्यम से हेरिटेज स्थल के रखरखाव का समर्थन कर सकते हैं।
- **डिजिटल दस्तावेज़ीकरण:** राष्ट्रीय स्मारक और पुरावशेष मिशन (NMMA) के तहत **12.3 लाख** से अधिक **पुरावशेषों** और **11,400 विरासत**

स्थलों का डिजिटलीकरण किया गया है। **'डिजिटल स्पेस में भारतीय विरासत'** पहल, विरासत के अनुभवों को जीवंत बनाने के लिये प्रौद्योगिकी का उपयोग करती है।
    - ASI का **'मस्ट सी' पोर्टल** विस्तृत जानकारी और मनोरम दृश्यों के साथ लगभग 100 प्रमुख स्मारकों को प्रदर्शित करता है।
- **वैश्विक सांस्कृतिक नेतृत्व:** भारत ने दिल्ली में यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 46 वें सत्र की मेज़बानी की (जुलाई 2024)।

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI)

- **परिचय: ASI भारत की सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्त्विक अनुसंधान और संरक्षण** के लिये ज़िम्मेदार प्रमुख सरकारी निकाय है।
- **स्थापना:** इसकी स्थापना **वर्ष 1861 में अलेक्जेंडर कनिंघम** द्वारा की गई थी, जिन्हें **"भारतीय पुरातत्व के जनक"** के रूप में जाना जाता है और वे इसके पहले महानिदेशक थे।
- **कार्य:** इसके मुख्य कार्यों में **सर्वेक्षण, अन्वेषण, उत्खनन, संरक्षण** और प्राचीन स्मारकों का रखरखाव शामिल हैं।
    - यह **पुरातात्त्विक अवशेषों और पुरातात्त्विक विरासत** का दस्तावेज़ीकरण और संरक्षण भी करता है ।
- **शासी ढाँचा:** यह **संस्कृति मंत्रालय** के अधीन काम करता है और **प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्व स्थल और अवशेष (AMASR) अधिनियम, 1958** के तहत कार्य करता है।
    - यह **राष्ट्रीय महत्त्व के 3,698 से अधिक स्मारकों और स्थलों का प्रबंधन** करता है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है? (2021)

(a) अजंता गुफाएँ, वाघोरा नदी की घाटी में स्थित हैं।
(b) साँची स्तूप, चंबल नदी की घाटी में स्थित है।
(c) पांडु-लेणा गुफा देव मंदिर, नर्मदा की घाटी में स्थित हैं।
(d) अमरावती स्तूप, गोदावरी नदी की घाटी में स्थित है।

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-heritage-day-2025